गुप्तकालीन सिक्कों का ऐतिहासिक महत्व

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय सागर (म.प्र.)

की एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर 2024-25 हेतु

प्रश्न-पत्र AIH-SEC-421 के अंतर्गत प्रस्तुत

डॉक्टर हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर

संस्थापक डॉ. हरीसिंह गौर

असतो मा सद्गमय

लघुशोध-प्रबंध

प्रस्तुतकर्ता
जयराज सिंह राजपूत
एम.ए.चतुर्थ सेमेस्टर
अनुक्रमांक Y23221018
प्राचीन भारतीय इतिहास
संस्कृति एवं पुरातत्व विभाग

Dr. Harisingh Gour Vishwavidyalaya, Sagar (M.P.)

निर्देशक
डॉ.कुँवर धनंजय विक्रम सिंह
सहायक प्राध्यापक
प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति
एवं पुरातत्व विभाग

प्रमाण पत्र

यह प्रमाणित किया जाता है कि, जयराज सिंह राजपूत एम.ए. चतुर्थ सेमेस्टर (अनुक्रमांक Y23221018) प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व विभाग, डॉ. हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.) में "गुप्तकालीन सिक्कों का ऐतिहासिक महत्व" विषय पर लघु शोध प्रबंध को स्नातकोत्तर उपाधि को आंशिक प्रतिपूर्ति हेतु प्रस्तुत किया है। जिसके लिये इन्होंने अपना कार्य मेरे संज्ञान एवं सहयोग में पूर्ण किया है।

निर्देशक

डॉ. कुँवर धनंजय विक्रम सिंह

(सहायक प्राध्यापक)

प्राचीन भारतीय इतिहास, संस्कृति एवं पुरातत्त्व

विभाग

डॉ हरीसिंह गौर विश्वविद्यालय, सागर (म.प्र.)